सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 21 JULY TO 27 JULY 2023 • VOLUME 52 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

छोटे फैसलों से ही बड़ी सफलता मिलती है।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

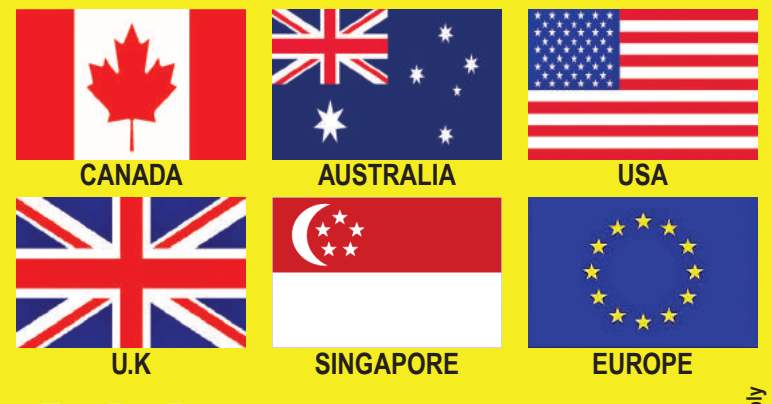

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

मणिपुर की घटना पर पीएम बोले- किसी भी गुनाहगार को नहीं बख्शेंगे

सुप्रीम कोर्ट सख्त, संसद में विपक्ष ने किया जोरदार हंगामा

नई दिल्ली. मणिपुर की घटना ने पूरे देश को शर्मसार कर दिया है। नेताओं से लेकर आम जनता तक हर कोई इस घटना की कड़ी निंदा कर रहा है। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न कर घुमाने की इस घटना पर पीएम मोदी ने कड़ी कार्रवाई की बात कही। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (20 जुलाई) को सरकार से कहा कि अगर आप कुछ नहीं कर सकते तो हम करेंगे। इस बीच संसद के मानसून सत्र में भी इस पर जोरदार हंगामा हुआ।

पीएम मोदी ने मानसून सत्र के शुरू होने से पहले कहा कि आज जब मैं आपके बीच आया हूं, लोकतंत्र के इस मंदिर के पास खड़ा हूं तब मेरा हृदय पीड़ा और क्रोध से भरा हुआ है। मणिपुर की जो घटना सामने आई है वो किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मसार करने वाली घटना है। पाप करने वाले गुनाह करने वाले कितने हैं, कौन हैं? वो अपनी जगह हैं, लेकिन बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। 140 करोड़ देशवासियों को शर्मसार होना पड़ रहा है। मणिपुर की इन बेटियों के साथ जो हुआ है, इसको कभी माफ नहीं किया जा सकता।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि मैं राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह करता हूं कि वे अपने राज्य में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करें। खासकर हमारी माताओं-बहनों की रक्षा के लिए कठोर से कठोर कदम उठाएं, चाहे वह राजस्थान हो, छत्तीसगढ़ हो, मणिपुर हो या देश का कोई भी हिस्सा हो, कानून व्यवस्था बनाए रखना और महिलाओं का सम्मान करना किसी भी राजनीतिक बहस से ऊपर रखा जाना चाहिए। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि किसी भी गुनाहगार को बख्शा नहीं जाएगा। कानून अपनी पूरी शक्ति से एक के बाद एक कदम उठाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस घटना पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से बात की। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इस मामले पर कहा कि वीडियो सामने आने के तुरंत बाद घटना का स्वत: संज्ञान लेते हुए मणिपुर पुलिस हरकत में आई और गुरूवार सुबह पहली गिरफ्तारी की गई। फिलहाल गहन जांच चल रही है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, जिसमें मृत्युदंड की संभावना पर भी विचार किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर केंद्र सरकार से कार्रवाई करने को कहा। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि दो महिलाओं को नग्न कर घुमाने का जो वीडियो सामने आया है वो वास्तव में परेशान करने वाला है। अगर सरकार कार्रवाई नहीं करेगी तो हम करेंगे। अब समय आ गया है कि सरकार वास्तव में कदम उठाए और कार्रवाई करे। संवैधानिक लोकतंत्र में यह बिल्कुल अस्वीकार्य है। कोर्ट ने केंद्र और मणिपुर सरकार से ये बताने को कहा कि अपराधियों को सजा दिलाने के लिए उन्होंने क्या कार्रवाई की है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को तय की है।

पूरे देश को झकझोर देने वाली ये घृणित घटना चार मई को मणिपुर के कांगपोकपी जिले में हुई थी जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। इसमें दिख रहा है कि पुरुष असहाय महिलाओं की नग्न परेड करा रहे हैं, उनके साथ लगातार छेड़छाड़ कर रहे हैं और वे (महिलाएं) रो रही हैं और उनसे छोड़ने की मिन्नतें कर रही हैं। आरोप है कि इन महिलाओं के साथ गैंगरेप भी किया गया है। पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है जिसका नाम हुइरेम हेरोदास मेइती (32) है।

मुख्यमंत्री द्वारा मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुए यौन उत्पीड़न के जघन्य कृत्य की कड़ी निंदा

चंडीगढ़. पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मणिपुर में दो महिलाओं पर यौन उत्पीड़न के जघन्य कृत्य पर गहरा दुख व्यक्त किया और इस अमानवीय अपराध को करने वालों को अनुकरणीय सजा देने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि असहाय महिलाएं मानवता के खिलाफ इस जघन्य अपराध का शिकार हुईं। भगवंत मान ने कहा कि यह बर्बर घटना देश की अंतरात्मा पर बड़ा कलंक है। उन्होंने कहा कि इस घटना की सभी को निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह घृणित एवं अमानवीय कृत्य है, जिससे आज हर देशवासी शर्मसार हो रहा है।आरोपियों को अनुकरणीय सजा देने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे अपराधी किसी भी तरह के लिहाज के लायक नहीं हैं और ऐसे लोगों से देश के कानून के अनुसार कड़ी सजा देकर निपटा जाना चाहिए ताकि कोई और ऐसा अपराध करने का प्रयास न करे।

राम रहीम को फिर मिली 30 दिन की पैरोल

चंडीगढ़. डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को एक बार फिर 30 दिन की पैरोल मिल गई है। कुछ समय बाद राम रहीम रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर आ जाएगा। जेल प्रशासन ने राम रहीम को सिरसा डेरे में जाने की इजाजत नहीं दी है। एक बार फिर उसे यूपी के बागपत में स्थिति बरवाना आश्रम में रहना पड़ेगा। जिसको लेकर बरनावा आश्रम की सुरक्षा बढ़ाई गई और सिरसा से घोड़े और गाय पहुंचाई गई है। राम रहीम को सजा के दौरान मिली ये सातवीं पैरोल है।

राम रहीम को पहली बार 24 अक्टूबर 2020 को बीमार मां से मिलने के लिए एक दिन की पैरोल दी गई थी। दूसरी बार 21 मई 2021 को फिर बीमार मां से मिलने के लिए एक दिन की पैरोल दी गई थी। तीसरी बार 7 फरवरी 2022 को 21 दिनों की पैरोल दी गई थी। चौथी बार जून 2022 को एक महीने की पैरोल दी गई। पांचवीं बार अक्टूबर 2022 को 40 दिनों की पैरोल दी गई। छठवीं बार 21 जनवरी 2023 को फिर 40 दिनों की पैरोल दी गई। गुरूवार को 20 जुलाई 2023 को 7वीं बार पैरोल दी गई है जो 30 दिन की है।

मनिस्टरज़ फ़्लायंग स्क्वाड ने डीज़ल चोरी करते दो ड्राइवर किए काबू

तीन प्राईवेट बसों के चालान किए, एक बस ज़ब्त की

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के परिवहन मंत्री स. लालजीत सिंह भुल्लर ने आज बताया कि विभाग में भ्रष्ट गतिविधियाँ रोकने के लिए गठित किए गए मनिस्टरज़ फ़्लायंग स्क्वाड द्वारा सरकारी बसों से डीज़ल चोरी करने वाले दो ड्राइवरों को रंगे हाथों पकड़ा गया है जबकि एक कंडक्टर को सवारियों से पैसे लेकर टिकट न देने के दोष अधीन काबू किया गया है। इसके इलावा तीन प्राईवेट बसों के चालान किए गए हैं और एक बस ज़ब्त की गई है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि मनिस्टरज़ फ़्लायंग स्क्वाड द्वारा बीती रात करीब 10:15 बजे सरहिंद में छापामार कर पनबस डीपू चंडीगढ़ की बस नंबर पी.बी-65 एटी 0542 से डीज़ल चोरी करते ड्राइवर सुखवीर सिंह को रंगे-हाथों पकड़ा गया। उससे बरामद 22 लीटर डीज़ल को मौके पर कब्ज़े में ले लिया गया। इसी तरह राजपुरा में रात करीब 1.30 बजे पनबस डीपू अमृतसर साहिब-2 की बस नंबर पीबी- 02- ईएच 3066 से तेल चोरी करते ड्राइवर गगनदीप सिंह को काबू किया गया है। उसके पास से चोरी का 20 लीटर डीज़ल बरामद हुआ है। इसके इलावा फ़्लायंग स्क्वाड ने कुप्प में चैकिंग के दौरान लुधियाना डीपू की बस नंबर पीबी-10 जीएक्स 8526 के कंडक्टर करमजीत सिंह को सवारियों के साथ ठगी मारने के दोष अधीन रिपोर्ट किया है।

मनिस्टरज़ फ़्लायंग स्क्वाड ने लुधियाना बस स्टैंड में चैकिंग के दौरान बिना ज़रूरी दस्तावेज़, टैक्स और इंशोरैंस के चल रहीं प्राईवेट बसों के चालान भी किए हैं। फ़्लायंग स्क्वाड ने अनाधिकृत रूट पर चलती छह बसों को भी रिपोर्ट किया है।

अमरूदों के बहु-करोड़पति मुआवज़ा घोटाले में सेवामुक्त पीसीएस अधिकारी गिरफ़्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने अमरूदों के पौधों के मुआवज़े में हुए करोड़ों रुपए के घोटाले सम्बन्धी आज सेवामुक्त पी. सी. एस. अधिकारी जगदीश सिंह जौहल, जो ग्रेटर मोहाली एरिया डिवैल्लपमैंट अथॉरिटी (गमाडा) के लैंड ऐकुज़ीशन कुलैकटर (एल. ए. सी.) थे, को गिरफ़्तार किया है। इस घोटाले में यह 20वीं गिरफ़्तारी है। ज़िला एस. ए. एस. नगर (मोहाली) के गाँव बाकरपुर में गमाडा की तरफ से एक्वायर की गई ज़मीन के बदले जारी किये करोड़ों रुपए के मुआवज़े में यह घोटाला हुआ था।

विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि जगदीश सिंह जौहल ने माल रिकार्ड के मुताबिक ज़मीन मालिकों के नाम और ज़मीन का हिस्सा सही न होने के बावजूद बाग़बानी विभाग की मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर नाजायज अदायगियों को मंज़ूरी देने में अहम भूमिका निभाई थी।

ज़िक्रयोग्य है कि इस मामले में पिछले हफ़्ते गमाडा की एल. ए. सी. शाखा में तैनात रहे दो सेवामुक्त पटवारियों सुरिन्दरपाल सिंह और सुरिन्दरपाल को भी गिरफ़्तार किया गया था।

प्रवक्ता ने बताया कि पूछताछ दौरान इन दोनों मुलजिम पटवारियों ने खुलासा किया कि शुरू में उन्होंने बाग़बानी विभाग की मूल्यांकन रिपोर्ट में दर्शाए गए ज़मीन मालिकों के नाम और ज़मीन के हिस्से तौर पर भुगतान फार्म को तस्दीक करने से इन्कार कर दिया था क्योंकि यह माल रिकार्ड अनुसार असली मालिकों और उनके ज़मीन के हिस्से से अलग थे। उन्होंने दोष लगाया कि मुलजिम जगदीश सिंह जौहल ने अपना रसूख का इस्तेमाल करते हुये माल रिकार्ड की अनदेखी करके बाग़बानी विभाग की मूल्यांकन रिपोर्ट अनुसार अदायगियों की मंज़ूरी देने के लिए नोटिंग तैयार करने के लिए उन पर दबाव डाला। एल. ए. सी. के तौर पर मुलजिम पी. सी. एस. अधिकारी ने अदायगियों को मंज़ूरी दी, जिसके आधार पर बाद में अलग-अलग लाभार्थियों को लगभग 124 करोड़ रुपए जारी किये गए। इससे सरकारी खजाने को भारी नुक्सान हुआ।

हालाँकि असली लाभार्थियों को अदायगियाँ यकीनी बनाने के लिए गमाडा के मुख्य प्रशासक ने आदेश दिए थे कि एल. ए. सी. अमरूद के बाग़ों का निरीक्षण करने के लिए ख़ुद दौरा करेगा।

पंजाब और उसके लोग हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : राजा वड़िंग

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरूवार को पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित से मुलाकात की और उन्हें दो ज्ञापन सौंपे। पहला, हरियाणा को अलग विधान सभा के लिए 10 एकड़ भूमि आवंटित करने के फैसले को तत्काल रद्द करने की मांग की और दूसरा, पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई के लिए भारत सरकार से अतिरिक्त धनराशि जारी करने के लिए अपील की।

ज्ञापन सौंपने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पंजाब कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि हमने उन्हें बाढ़ के कारण बुनियादी ढांचे और लोगों को हुए व्यापक नुकसान के बारे में बताया और उनसे अनुरोध किया कि वह अपने कार्यालय का उपयोग करें और पंजाब को बाढ़ से उबरने, लोगों को मुआवजा और पुनर्वास में मदद करने के लिए 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि जारी करने के लिए केंद्र पर दबाव डालें। केंद्र शासित प्रदेश में हरियाणा को जमीन आवंटित करने के फैसले की आलोचना करते हुए बाजवा ने कहा कि नेतृत्व ने माननीय पंजाब के राज्यपाल से चंडीगढ़ के प्रशासक और पंजाब के राज्यपाल के रूप में अपने पद के साथ न्याय करने और आवंटन रद्द करने की अपील की। उन्होंने कहा, पंजाब के अधिकारों की रक्षा करना राज्यपाल का कर्तव्य है।

राज्यसभा के सभापति ने स्थापित की लैंगिक समानता

उप-सभापतियों के पैनल में 50 प्रतिशत महिला सदस्यों को मनोनीत किया

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने चार महिला सांसदों को उप-सभापतियों के पैनल में मनोनीत किया है। यह भी उल्लेखनीय है कि पैनल में मनोनीत की गई सभी महिला सदस्य पहली बार सांसद चुनी गई हैं और एस फांगनोन कोन्याक नागालैंड से राज्यसभा सदस्य के रूप में चुनी गई पहली महिला हैं।

मानसून सत्र से पहले पुनर्गठित पैनल में कुल आठ नाम हैं, जिसमें से आधी महिलाएं हैं। उच्च सदन के इतिहास में यह पहला मौका है कि उप-सभापतियों के पैनल में महिला सदस्यों को समान प्रतिनिधित्व दिया गया है।

एक अन्य उल्लेखनीय फैसले में राज्यसभा के सभापति सदन का कामकाज पूरी तरह से डिजिटल रूप से कर सकेंगे। राज्यसभा के सभापति सदन के कामकाज के संचालन से जुड़े मामलों, सदन में उपस्थिति, बोलने वाले सदस्यों के विवरण और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी के लिए इलेक्ट्रॉनिक टैबलेट का उपयोग करेंगे।

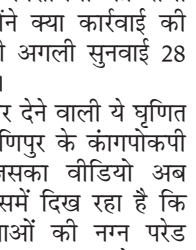

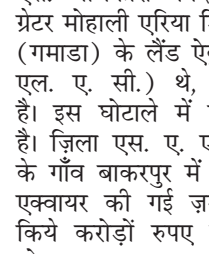

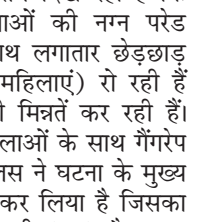

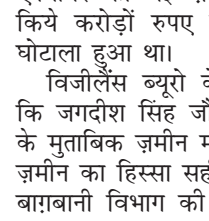

पीटी उषा: वह पद्मश्री पुरस्कार विजेता और एक प्रसिद्ध एथलीट हैं। उन्हें जुलाई, 2022 में राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया था। वह रक्षा समिति, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की सलाहकार समिति और एथिक्स कमेटी की सदस्य हैं।

एस. फांगनोन कोन्याक: वह भारतीय जनता पार्टी से हैं। वह अप्रैल, 2022 में नागालैंड से राज्यसभा सदस्य के रूप में चुनी गई पहली महिला हैं और संसद या राज्य विधानसभा के किसी भी सदन के लिए चुनी गई राज्य की दूसरी महिला हैं। वह परिवहन, पर्यटन और संस्कृति समिति, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की सलाहकार समिति, महिला सशक्तिकरण समिति, सदन समिति और पूर्वोत्तर इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य संस्थान की गवर्निंग काउंसिल और चिकित्सा विज्ञान, शिलांग की सदस्य हैं।

डॉ. फौजिया खान : वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से हैं। वह अप्रैल, 2020 में राज्यसभा के लिए चुनी गईं। वह महिला सशक्तिकरण समिति, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण समिति, विधि और न्याय मंत्रालय की सलाहकार समिति की सदस्य हैं।

सुलता देव: वह बीजू जनता दल से हैं। वह जुलाई, 2022 में राज्यसभा के लिए चुनी गईं। वह उद्योग समिति, महिला सशक्तिकरण समिति, लाभ के पद पर संयुक्त समिति, संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस) समिति और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की सलाहकार समिति की सदस्य हैं।

उपरोक्त महिला सदस्यों के अलावा वी विजयसाई रेड्डी, घनश्याम तिवारी, डॉ. एल. हनुमंथैया और सुखेंदु शेखर रे को भी उप-सभापतियों के पैनल में मनोनीत किया गया है।

टैस्ट रैकेट का किया पर्दाफाश

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने राज्य में कन्या भ्रूण हत्या को रोकने और लिंग अनुपात को संतुलित करने की कोशिश के अंतर्गत संगरूर ज़िले के सुनाम में एक अवैध लिंग निर्धारण रैकेट का पर्दाफाश कर मुलजिमों के खिलाफ पीसी पीऐनडीटी एक्ट के अंतर्गत केस दर्ज किया है।

डायरैक्टर स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. रविन्दरपाल कौर ने बताया कि बरनाला और संगरूर के सिविल सर्जनों ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनाई गई सांझी टीम ने छापेमारी की। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक गर्भवती मरीज़ को भ्रूण के लिंग का पता करने के लिए एक व्यक्ति के पास भेजा। टैस्ट करवाने के लिए मरीज़ को सुनाम के एक घर बुलाया गया और दोषी ने उससे 35,000 रुपए की रकम वसूली। जैसे ही मुलजिम ने जांच शुरू की तो स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुँच कर 53 वर्षीय पुरुष को रंगे हाथों काबू कर लिया।

इस छापेमारी में एक पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन, लिंग टैस्ट के लिए मुलजिमों को अदा किये गए 35000 रुपए भी बरामद किये गए। इसके इलावा 249000/- रुपए की अन्य राशि और गर्भपात करवाने के लिए इस्तेमाल किये जाते यंत्र और दवाइयां भी मौके पर बरामद की गई। छापेमारी कर रही हैल्थ टीम के साथ गई पुलिस टीम ने साज़िशकर्ता को गिरफ्तार करने के इलावा अपने घर में अवैध तरीके से गर्भपात करने वाली एक औरत को भी गिरफ्तार किया है। मुलजिमों के ख़िलाफ़ पीसी पीऐनडीटी एक्ट के अंतर्गत केस दर्ज किया गया है।

भारत की इन जगहों पर **एंजॉय** कर सकते हैं टेस्टी **स्ट्रीट फूड**

YATRA

भारत की अलग-अलग जगहों पर खाने की तरह-तरह की वैरायटी मिलती हैं। अगर आप मानसून में स्ट्रीट फूड खाना चाहते हैं तो भारत की इन जगहों पर जाकर कुछ टेस्टी चीजों को खा सकते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

स्ट्रीट फूड की बात आते ही भारत की अलग अलग जगहों के नाम याद आने लगते हैं। भारत के अलग-अलग शहरों में टेस्टी स्ट्रीट फूड मिलता है। बारिश के मौसम में अगर आपका मन कुछ चटपटा खाने को कर रहा है, तो आप भारत के इन अलग-अलग शहरों के स्ट्रीट फूड का स्वाद चख सकते हैं।

दिल्ली– पुरानी दिल्ली की हलचल भरी सड़कों पर मिलने वाले टेस्टी खाने का स्वाद लाजवाब होता है। अलग-अलग तरह के परांठे, गोलगप्पे, रसदार जलेबी और मुंह में घुल जाने वाले कबाब यहां की सबसे फेमस डिशेज में से एक है। दिल्ली के स्ट्रीट फूड का स्वाद आप लाजपत नगर में भी चख सकते हैं।

इंदौर– स्ट्रीट फूड का स्वाद चखने के लिए आप इंदौर के सराफा बाजार जरूर जाएं। इंदौर की दशकों पुरानी सड़कों पर श्रीखंड के साथ तले हुए मालपुआ, किंग साइज जलेबा और हापुस आइसक्रीम का आनंद लें। इसके अलवा यहां के तीखे स्ट्रीट फूड भी लाजवाब लगते हैं।

अमृतसर– अमृतसर में सड़क के किनारे मिलने वाले टेस्टी स्ट्रीट फूड का स्वाद जरूर चखें। नॉन वेज खाने वालों के लिए यहां पर तरह-तरह की डिशेज मिलती हैं। इसके अलावा अमृतसरी कुल्चे, मक्के की रोटी और सरसों दा साग यहां के मुख्य आकर्षणों में से एक हैं।

कोलकत्ता– जब भारत में टेस्टी स्ट्रीट फूड की बात आती है, तो कोलकाता के कुछ बेहतरीन स्ट्रीट फूड का स्वाद आपको जरूर चखना चाहिए। काठी रोल और तीखी झालमुरी से लेकर रोशोगुल्ला और सोंदेश जैसी रसीली बंगाली मिठाइयों तक, कोलकाता में भी आपको टेस्टी खाना मिलेगा।

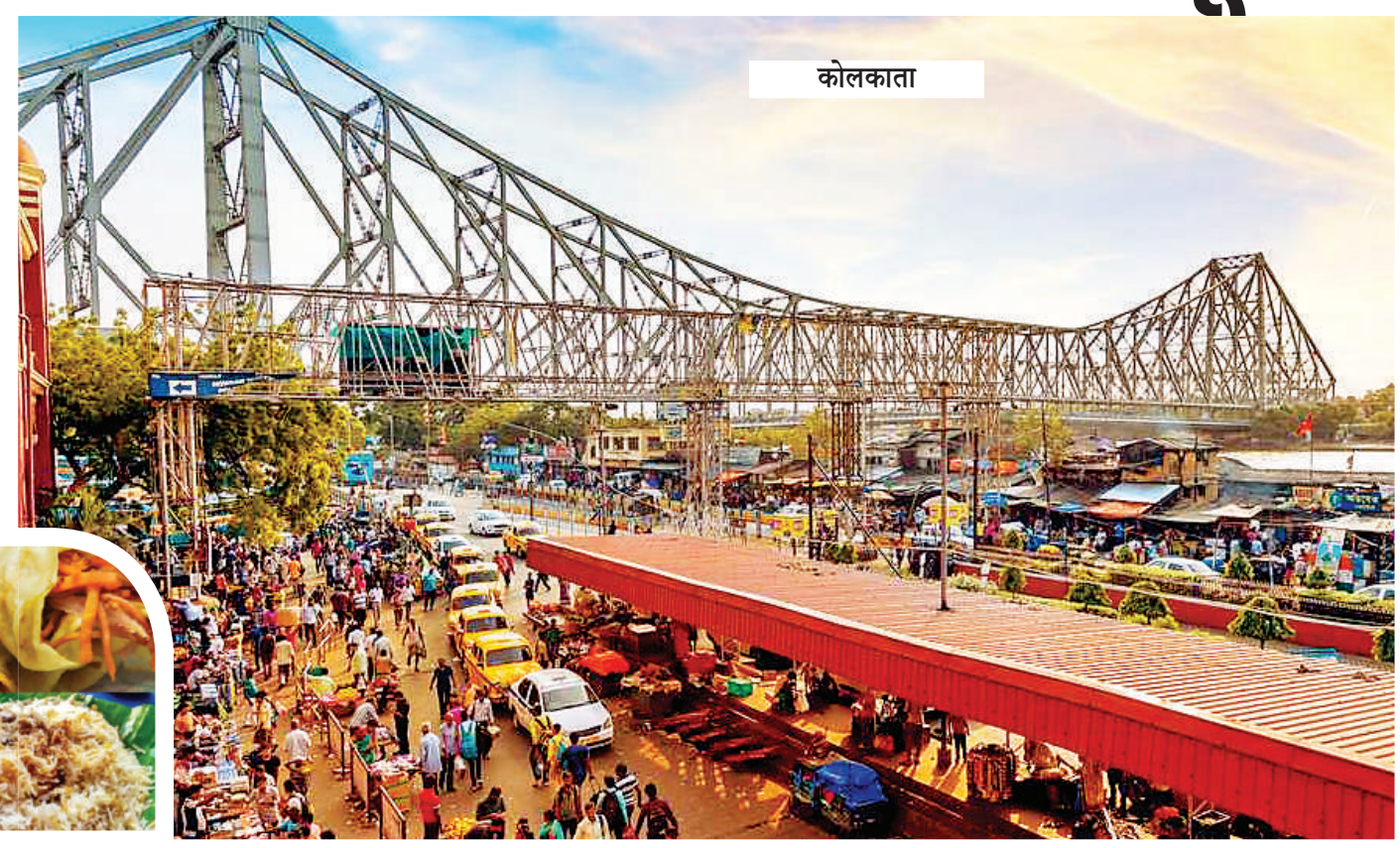

FASHION+

फ्लोरल ड्रेस में जाह्नवी कपूर, लुक को कॉपी करना है मुश्किल

फिल्म बवाल के प्रमोशन में व्यस्त जाह्नवी कपूर ने ऐसी-ऐसी ड्रेस पहन ली है। जिसे खरीदना हर किसी के बस की बात नही है। लेटेस्ट फोटोज में भी कुछ ऐसा ही लुक देखने को मिला।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

जाह्नवी कपूर अपने स्टाइलिश लुक से फैंस को लुभाती हैं। खासतौर पर जब वो फिल्मों के प्रमोशन के लिए रेडी होती हैं तो उनका हॉट एंड गॉर्जियस लुक देखने को मिलता है। लेकिन इस प्रिटी लेडी के लुक को कॉपी करना हर किसी के बस की बात नही है। फिल्म बवाल के प्रमोशन में बिजी जाह्नवी ऐसी-ऐसी ड्रेसेज पहनकर कैमरे के सामने आ रही हैं। जिसकी कीमत हर किसी को हैरान करने के लिए काफी है।

जाह्नवी ने चुनी फ्लोरल ड्रेस

जाह्नवी कपूर ने लेटेस्ट फोटोज को तो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जिसमे वो गुलाब के फूलों वाले प्रिंट की ड्रेस को पहनकर रेडी हैं। टाइट फिगर फिटिंग ड्रेस में नेकलाइन पर डीप कट लगा है। वहीं कॉलर के साथ बैकलेस डिजाइन बनी है। वहीं हॉल्टर नेकलाइन इस ड्रेस को परफेक्ट लुक दे रही है।

इंटरनेशनल फैशन लेबल मगदा बुत्रिम के कलेक्शन से ली गई ड्रेस में थ्रीडी प्रिंट बने है। वहीं मिड लेंथ ड्रेस के साथ जाह्नवी ने स्ट्रैपी पिंक हील्स को चुना है। रोज पिंक लिपस्टिक और रोज गोल्ड ग्लिटरी आईशैडो के साथ ब्लैक आईलाइनर आंखों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए काफी है। जबकि वेल डिफाइन आइब्रो, पिंक चिक्स अट्रैक्टिव लुक दे रहे हैं। जिसे जाह्नवी कपूर ने कर्ली बालों के साथ पेयर किया है।

कीमत सुन चौंक जाएंगे

जाह्नी कपूर की इस थ्रीडी प्रिंट की ड्रेस की कीमत बेहद खास है। क्रीम एंड पिंक फ्लोर प्रिंट की ये ड्रेस करीब 1038 यूएस डॉलर की है। जिसका मतलब है ड्रेस करीब 85,277 रुपये की है। ड्रेस की कीमत ये बताने के लिए काफी है कि इसे खरीदना हर लड़की के बस की बात नही है।

बारिश में झटपट बनाकर खिलाएं चटपटा पोटैटो क्रिस्पर, मिनटों में हो जाएगा रेडी

बारिश के मौसम में कुछ चटपटा खाने का मन कर रहा लेकिन सारा वक्त रसोई में नहीं बिताना चाहतीं। तो फटाफट मिनटों में तैयार करें पोटैटो क्रिस्पर, जिसका स्वाद सब पसंद करेंगे।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

बारिश के मौसम में चाय के साथ चटपटे स्नैक्स लाजवाब लगते हैं। लेकिन स्नैक्स बनाने में ज्यादा समय लग जाए तो मजा खराब हो जाता है। अगर आपको भी अपना टाइम रसोई में ज्यादा बिताना पसंद नहीं तो फटाफट तैयार करें ये पोटैटो क्रिस्पर। जिसकी रेसिपी आसान है और एक बार में ही ढेर सारे बनकर रेडी हो जाएंगे। तो चलिए जानें कैसे बनाएं पोटैटो क्रिस्पर।

पोटैटो क्रिस्पर बनाने की सामग्री

- 4 उबले आलू
- एक चौथाई कप कॉर्नफ्लोर
- घिसा हुआ गाजर
- हरे प्याज बारीक कटे हुए
- नमक
- काली मिर्च आधा चम्मच

- चाट मसाला
- लाल मिर्च कुटी हुई आधा चम्मच
- तेल तलने के लिए

पोटैटो क्रिस्पर बनाने की विधि

- सबसे पहले आलू उबालकर छील लें। जब ये ठंडे हो जाएं तो इन्हें मैश कर लें।
- इसमे चौथाई कप कॉर्नफ्लोर मिला लें।
- साथ में मनचाही सब्जियां जैसे गाजर, बींस, पत्ता गोभी, स्वीट कॉर्न को घिसकर मिला दें।
- अब नमक, चाट मसाला, कुटी हुई लाल मिर्च, काली मिर्च का पाउडर डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें।
- इसे बिल्कुल गूंथे आटे की तरह चिकना कर लें और लंबाई में रोल करें।
- चाकू की मदद से छोटे-छोटे पीस कट करें और उन्हें किसी लकड़ी की मदद से बीच-बीच में कट मारें और डिजाइन दें।
- कड़ाही में तेल गर्म करें और इन्हें सुनहरा होने तक तलें। फिर किसी पेपर टॉवेल पर निकालकर सारे तेल को अब्जॉर्ब कर लेने दें।
- बस रेडी है गर्मगर्म क्रिस्पी पोटेटौ., इसका स्वाद बच्चे और बड़े सब पसंद करेंगे।

स्टेज पर जाने के नाम पर छूट जाता है बच्चे का पसीना?, कॉन्फिडेंस बढ़ाएं...

PARENTING

कुछ बच्चों के सामने स्टेज परफोर्मेंस की बात आते ही वह सहम जाते हैं और माइक को देखते ही रोने लगते हैं। ऐसे में बच्चों के अंदर से स्टेज फियर निकालने के लिए इन तरीकों को अपनाएं।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

जब बच्चा स्टेज पर परफॉर्म करता है तो हर पेरेंट के लिए एक बेहतरीन अनुभव होता है। बच्चों को स्टेज पर परफॉर्मेंस करता देख पेरेंट्स फूले नहीं समाते हैं। हालांकि, कुछ बच्चे स्टेज पर जाने से कतराते हैं और धीरे-धीरे उन्हें स्टेज से ही डर लगने लगता है। ऐसे बच्चे स्टेज के सामने जाते ही पसीना-पसीना हो जाते हैं, कुछ तो रोने तक लगते हैं। बच्चों में इस डर को दूर करने के लिए उन्हें हमेशा एक्टिविटीज में भाग लेने के लिए मोटिवेट करना जरूरी है। अगर आपका बच्चा भी स्टेज पर जाने से डरता है, तो उसके मन से डर निकालने के लिए आप इन तरीकों को अपना सकते हैं।

बच्चों के अंदर से स्टेज फियर कैसे निकालें

- **रिलैक्स रहना सिखाएं**– अपने बच्चे को मंच पर जाने के विचार से ही डरने न दें। अगर उसे परफॉर्मेंस से डर लगता है तो उसे ध्यान या योग करके शांत रहना सिखाएं। इसके अलावा स्ट्रेचिंग या स्किपिंग जैसी शारीरिक एक्सरसाइज करने से भी मदद मिल सकती है। बच्चों को रिलैक्स करवाने के लिए आप उन्हें को संगीत सुनने की सलाह दें, जिसकी मदद से वह शांत महसूस करें। उन्हें सिखाएं की मंच पर कदम रखने से ठीक पहले गहरी सांस लेना जरूरी है।
- **पॉजिटिव रहने को कहें**– अगर बच्चा स्टेज पर जाने से डरता है तो उसके डर के बारे में बात करें, पॉजिटिविटी के साथ उसे डर से लड़ना सिखाएं। इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा। उसे बताएं कि कैसे उसके परफॉर्मेंस के बाद लोग खड़े होकर उसके लिए तालियां बजाएंगे। ऐसी मानसिक तस्वीर उसके आत्म-सम्मान को बढ़ाने में काफी मदद करेगी।
- **सलाह लेने दें**– अगर बच्चा परफॉर्मेंस से पहले उन लोगों से सलाह या सुझाव लेना चाहता है जो अक्सर मंच पर जाते हैं तो उसे ऐसा करने से ना रोकें। तैयारी के लिए उसे अपने शिक्षकों, रिश्तेदारों और दोस्तों की मदद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।
- **जल्दी पहुंचना**– जिस दिन परफॉर्मेंसस हो उस दिन बच्चे को वेन्यू पर समय से पहले ले जाएं। तभी वह निश्चिंत रह सकता है। अगर वह देर पहुंचेगा, तो इससे उसका तनाव और घबराहट बढ़ेगी।
- **अच्छी तैयारी और प्रेक्टिस**– परफॉर्मेंस छोटी हो या फिर बड़ी उसके लिए तैयार रहना जरूरी है। घर में ही बच्चे को प्रेक्टिस करवाई जा सकती है। सबसे बेस्ट तरीका है कि आप उसे शीशे के सामने खड़ा करें और फिर उसे प्रेक्टिस करने को कहें। इससे उसे अपने चेहरे के भाव, बॉडी लैंग्वेज और मंच प्रदर्शन को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिलेगी।

लोअर बैक पेन की शिकायत इन वजहों से होता है कमर में दर्द

HEALTH CARE

कमर के निचले हिस्से में अक्सर मोच आ जाती है और उठते-बैठते दर्द बना रहता है तो जरूरी है लोअर बैक पेन का कारण पता करना। जिससे कि सही समय पर निदान किया जा सके।

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

कमर में मोच आना काफी कॉमन है। कुछ लोगों को तो कमर के निचले हिस्से में यानी कि लोअर बैक में हमेशा पेन बना रहता है। क्योंकि कभी ना कभी उठते-बैठते उनकी कमर हर्ट हो जाती है। अगर आपके साथ ही अक्सर ऐसा होता रहता है या आप लोअर बैक पेन से जूझ रहे हैं तो जान लें इस समस्या के लिए कौन से कारण जिम्मेदार होते हैं।

लोअर बैक पेन के लिए हो सकते हैं ये कारण जिम्मेदार

लोअर बैक पेन का कारण मसल्स के बीच घर्षण होना या खिचाव होना है। जिसकी वजह से उठना-बैठना तक मुश्किल हो जाता है। कई बार ये दर्द सोते वक्त और बढ़ जाता है। साथ ही कमर के निचले हिस्से में दर्द और झुनझुनी सी महसूस होती है। लोअर बैक पेन के लिए ये कारण जिम्मेदार होते हैं।

- कई बार कमर में लगी गहरी चोट लोअर बैक पेन के लिए जिम्मेदार होती है।
- कुछ लोगों की बैठने की गलत आदत और झुकने का गलत पोश्चर उन्हें लोअर बैक पेन दे देता है।
- अचानक से कमर की मसल्स में खिंचाव आ जाने से भी दर्द होने लगता है।
- जिन लोगों को कमर की डिस्क में प्रॉब्लम होती है। उन्हें लोअर बैक पेन का इश्यू होता है।
- कमर में दर्द के लिए किडनी, ब्लैडर में इंफेक्शन, किडनी स्टोन और कई बार तो यूरिन या पेल्विक में सूजन भी जिम्मेदार होती है।
- गलत पोश्चर में या गलत बिस्तर में सो जाने से भी कमर में दर्द होना शुरू हो जाता है।

नोट : इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

किन लोगों को होता है खतरा

लोअर बैक पेन का खतरा उन लोगों को ज्यादा होता है जो लगातार बैठने वाली जॉब करते हैं या फिर बहुत कम फिजिकल एक्टीविटी करते हैं। स्मोकिंग, एल्कोहल करने वालों के साथ ही प्रेग्नेंट वुमन को लोअर बैक पेन का सबसे ज्यादा खतरा रहता है।

ये सावधानियां जरूरी है

- कमर में दर्द खासतौर पर निचले हिस्से में दर्द की शिकायत बनी रहती है जो जरूरी है कि कुछ सावधानियां रखी जाएं।
- अपने खानपान में विटामिन डी और कैल्शियम की मात्रा बढ़ाएं। साथ ही जरूरी न्यूट्रिशन से भरपूर फूड्स खाएं।
- वजन को कंट्रोल में रखें। ज्यादा वजन बढ़ने पर कई बार भार कमर के हिस्से आता है।
- रेगुलर एक्सरसाइज को डेली रुटीन में शामिल करें। फिर चाहे योग, वॉक, स्विमिंग कुछ भी हो।
- झुककर उठने, बैठने का पोश्चर जरूर सही रखें। ज्यादातर लोअर बैक पेन की वजह गलत पोश्चर होता है।

लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में दक्षता : नए भारत की विकास गाथा

भारत आज विकास की ऊंची उड़ान भरने को तैयार है। वैश्विक स्तर पर सभी प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारत की लॉजिस्टिक्स संबंधी रेटिंग बेहतर होते जाने के साथ-साथ लॉजिस्टिक्स से जुड़ी इसकी बाधाएं दूर होती जा रही हैं।

मैन्यूफैक्चरिंग और व्यापार के क्षेत्र में भारत की वैश्विक स्थिति बुनियादी ढांचे और निर्यात-आयात (एक्जिम) संबंधी लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने से संबंधित सुधारों के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। बुनियादी ढांचे को अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण विकास इंजन के रूप में पहचानते हुए, प्रधानमंत्री की गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति जैसे सुधारों ने सामानों एवं यात्रियों की आवाजाही के लिए लॉजिस्टिक्स से जुड़े बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स संबंधी सेवाओं में सुधार पर ध्यान केन्द्रित किया है। और बहुत ही कम समय में, इन सुधारों के परिणाम दिखाई देने लगे हैं।

विश्व बैंक ने लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई) से संबंधित 2023 की अपनी रिपोर्ट में लॉजिस्टिक्स से जुड़ी उन्नत दक्षता की दिशा में भारत द्वारा की गई प्रगति को स्वीकार किया है। विश्व बैंक की यह रिपोर्ट 139 देशों के एलपीआई के बारे में जानकारी साझा करती है और भारत को इस सूचकांक में 38वें स्थान पर रखती है, जोकि 2018 में हमारी रैंक की तुलना में छह स्थान ऊपर है।

एलपीआई छह व्यापक मापदंडों पर आधारित 'गुणात्मक धारणाओं का एक सर्वेक्षण-आधारित परिमाणीकरण' है, जो सीमा शुल्क, बुनियादी ढांचे, अंतरराष्ट्रीय लदान (शिपमेंट), लॉजिस्टिक्स संबंधी क्षमता एवं लॉजिस्टिक्स से जुड़ी सेवाओं की गुणवत्ता, समयबद्धता, निगरानी एवं जानकारी जैसे पहलुओं पर विचार करता है। विश्व बैंक एक ऐसी उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में भारत का उदाहरण देता है, जिसने 2015 से देश के पूर्वी एवं पश्चिमी दोनों तटों पर स्थित बंदरगाहों को सुदूर इलाकों में स्थित आर्थिक केन्द्रों से जोड़ते हुए बुनियादी ढांचे एवं विभिन्न प्रौद्योगिकियों में निवेश किया है। अन्य कारकों के अलावा, इस तरह के निवेश के कारण ही बंदरगाहों पर कंटेनरों के ठहराव के समय के मामले में भारत का प्रदर्शन कई विकसित देशों की तुलना में कहीं बेहतर है। मई से लेकर अक्टूबर 2022 के बीच, भारत में कंटेनरों के ठहराव का समय न्यूनतम 3 दिन था, जबकि संयुक्त अरब अमीरात एवं दक्षिण अफ्रीका के मामले में यह समय 4 दिन, अमेरिका के मामले में 7 दिन और जर्मनी के मामले में 10 दिन था।

विश्व बैंक की यह रिपोर्ट भारत को एक ऐसे देश के रूप में प्रस्तुत करती है, जिसने नेशनल लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक सर्विसेज लिमिटेड (एनएलडीबीएसएल) जैसे डिजिटलीकृत प्लेटफॉर्म के उपयोग के जरिए आपूर्ति श्रृंखला में दृश्यता ला दी है। यह रिपोर्ट बताती है कि लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक (एलडीबी) कैसे आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) टैग के उपयोग के जरिए भारत में एक्जिम कंटेनरों की आवाजाही की निगरानी करता है और उसके बारे में सटीक जानकारी रखता है, जिससे माल पाने वाले (कान्साइनी) के लिए अपनी आपूर्ति श्रृंखला की 'एक छोर से दूसरे छोर तक निगरानी' (एंड-टू-एंड ट्रैकिंग) करना संभव हो जाता है। शुरु में, माल की स्थिति का पता लगाने वाले (कार्गो ट्रेसिंग) इस प्रकार के तंत्र का शुभारंभ 2016 में देश के पश्चिमी तट पर किया गया था और आज इस तंत्र के दायरे में सभी प्रमुख बंदरगाह और निजी बंदरगाह आते हैं। भारतीय बंदरगाहों पर कंटेनरों के बेहतर ठहराव समय के लिए इसे श्रेय दिया जाता है। विश्व बैंक की रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए अगर कहें तो "माल की निगरानी (कार्गो ट्रैकिंग) व्यवस्था की शुरुआत के साथ, देश के पूर्वी तट पर स्थित विशाखापत्तनम बंदरगाह पर कंटेनरों के ठहराव का समय 2015 में 32.4 दिन से घटकर 2019 में 5.3 दिन रह गया।"

देश के उज्जवल भविष्य के निर्माण में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, भारत सरकार ने आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निगरानी रखने हेतु एक डिजिटल प्रणाली के रूप में लॉजिस्टिक्स डेटाबैंक प्रोजेक्ट (एलडीबी) का शुभारंभ किया था। एनएलडीबीएसएल को राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) और निप्पॉन इलेक्ट्रिक कंपनी

जालंधर ब्रीज

सुमिता डावरा
(आईएएस, विशेष सचिव (लॉजिस्टिक्स, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय) भारत सरकार; तथा एनआईसीडीसी की सीईओ एवं एमडी)

(एनईसी) लिमिटेड नाम की जापानी कंपनी के बीच एक एसपीवी (विशेष प्रयोजन वाहन) के रूप में संचालित किया जाता है। एलडीबी, एक्जिम कंटेनर की आवाजाही के बारे में वास्तविक समय में विस्तृत जानकारी प्रदान करने हेतु आपूर्ति श्रृंखला में कार्यरत विभिन्न एजेंसियों के पास उपलब्ध डिजिटल जानकारी को एकत्रित व व्यवस्थित करता है। यह प्लेटफॉर्म भारत के एक्जिम कंटेनर की शत-प्रतिशत मात्रा को संभालता है। इस पर एक मोबाइल ऐप के साथ-साथ एक पोर्टल के जरिए माल पाने वालों (कान्साइनी) के लिए जानकारी पाने की सुविधा उपलब्ध है। इस तरह, एलडीबी दृश्यता प्रदान करता है और भारत के कंटेनरीकृत एक्जिम लॉजिस्टिक्स से संबंधित बिग डेटा एनालिटिक्स को सक्षम बनाता है।

जुलाई 2016 में अपना कामकाज शुरू करने बाद से, एलडीबी ने 60 मिलियन एक्जिम कंटेनरों की निगरानी की है। भारत के शत-प्रतिशत कंटेनरीकृत एक्जिम कार्गो की निगरानी करने और उनका पता लगाने हेतु आरएफआईडी, आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) और बिग डेटा एनालिटिक्स से संबंधित प्रौद्योगिकियों के संयोजन के साथ, एलडीबी ने प्रमुख भारतीय बंदरगाहों, सबसे व्यस्त टोल प्लाजा, लगभग 400 कंटेनर फ्रेट स्टेशनों (सीएफएस)/अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) और बंदरगाहों पर खाली यार्ड, विशेष आर्थिक क्षेत्रों और यहां तक कि नेपाल एवं बांग्लादेश की सीमाओं पर स्थित एकीकृत चेक पोस्ट के साथ भी तालमेल बिठाया है। आरएफआईडी से संबंधित आंकड़ों को हासिल करने के उद्देश्य से एसपीवी द्वारा माल ढुलाई के लिए सर्पित गलियारों (डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर) सहित सभी प्रमुख सड़क एवं रेल मार्गों पर लगभग 3000 आरएफआईडी रीडर स्थापित किए गए हैं।

एलडीबी द्वारा हासिल एवं व्यवस्थित किए गए आंकड़ों का विभिन्न प्रकार से विश्लेषण किया जाता है। इन विश्लेषणों में बंदरगाह पर कंटेनरों के ठहराव के समय की गणना, माल की आवाजाही के क्रम में होने वाले भीड़भाड़ का विश्लेषण, कंटेनर की आवाजाही की गति का विश्लेषण, प्रदर्शन संबंधी मानदंड, आवागमन में लगने वाले समय का विश्लेषण (बंदरगाह से सीएफएस या इसके उलट) आदि शामिल है। ये विश्लेषण मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक आधार पर किए जाते हैं और सभी संबंधित मंत्रालयों, बंदरगाह के प्राधिकारियों, टर्मिनल के संचालकों, सीमा - शुल्क से जुड़ी एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ साझा किए जाते हैं।

दूसरी ओर, संबंधित एजेंसियों द्वारा कठिनाई पैदा करने वाले बिंदुओं और सुधार की जरूरत वाले क्षेत्रों की पहचान करने हेतु नियमित विश्लेषणों का उपयोग किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों के एलडीबी के आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि कंटेनरों की निकासी मामले में आईसीडी और सीएफएस के प्रदर्शन में सुधार के अलावा कंटेनर को संभालने से जुड़े प्रदर्शन, सड़क मार्ग से गुजरने वाले कंटेनरों की निकासी, प्रमुख राजमार्गों पर कंटेनर की गति के मामले में भी सुधार हुआ है। दिल्ली-मुंबई मार्ग और मुंद्रा बंदरगाह को जोड़ने वाले मार्ग जैसे प्रमुख राजमार्गों पर कंटेनर की गति भी 2018 की तुलना में बेहतर हुई है।

आज, एलडीबी ने दक्षता के साथ सीमा पार व्यापार को सुनिश्चित करने हेतु न केवल नेपाल एवं बांग्लादेश की सीमाओं तक अपनी सेवाओं का विस्तार किया है, बल्कि वह भारत के एक्जिम कंटेनरों की आवागमन के दौरान ठहराव वाले पहले अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह तक निगरानी रखने के लिए समुद्री ट्रैकिंग प्रणाली का भी उपयोग करता है। इसके अलावा, हमारे एफटीए को समान अंतरराष्ट्रीय प्रणालियों के साथ एकीकृत करके लाभ उठाने की संभावना तलाशना हमारे आगे के कदमों का हिस्सा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निर्यात कंटेनर पूरी दक्षता के साथ अंतिम गंतव्य तक पहुंचें और इससे हमारे व्यापार को बढ़ावा मिले।

यह तेज गति से चलने वाले लेन में एक लंबी यात्रा की शुरुआत मात्र है। लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम में सुधार हेतु भारत द्वारा नवीन डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग हमारी गति में और तेजी लाएगा तथा सोने पर सुहागा की स्थिति बनाते हुए अगले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर हमारी लॉजिस्टिक्स रैंकिंग को भी बेहतर करेगा। यह गति निश्चित रूप से 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के हमारे महत्वाकांक्षी लक्ष्य को साकार करने में मदद करेगी।

हिमाचल के बिलासपुर की एडीसी डॉक्टर निधि पटेल ने आंगनबाड़ी केंद्र में डालीं जुड़वां बेटियां

• **जालंधर ब्रीज.** हि.प्र.

बिलासपुर की अतिरिक्त उपायुक्त डॉक्टर निधि पटेल ने जिले की आलाधिकारी होने के बावजूद अपनी ढाई साल की जुड़वां बेटियों को क्रेच में भेजने की बजाय आंगनबाड़ी केंद्र चंगर में दाखिला करवाया है। व्यवस्था को बदलने की बात तो हर कोई कागजों और भाषणों में करता है, लेकिन उसको सही मायनों में बदलने के लिए उसमें भागीदारी कर ही सुधारा जा सकता है। ऐसी ही एक मिसाल बिलासपुर की अतिरिक्त उपायुक्त डॉक्टर निधि पटेल ने पेश की है।

एडीसी डॉक्टर निधि पटेल (आईएएस)

डॉक्टर पटेल ने जिले की आलाधिकारी होने के बावजूद अपनी ढाई साल की जुड़वां बेटियों को क्रेच में भेजने की बजाय आंगनबाड़ी केंद्र चंगर में दाखिला करवाया है। एडीसी ने कहा कि किसी भी संस्थान और क्षेत्र में अगर बदलाव करना है, उसकी दशा और दिशा को सुधारना है तो सबसे पहले अपनी भागीदारी वहां सुनिश्चित करें। जब आप खुद उसका हिस्सा होंगे तो उसके सुधार के लिए और ज्यादा जिम्मेदारी से काम करेंगे।

छह माह पहले जब एडीसी ने बेटियों को आंगनबाड़ी केंद्र में छोड़ा तो वहां की हालत ठीक नहीं थी। उसको देखकर भी उन्होंने फैसला नहीं बदला और वहीं दाखिला कराया। इसके बाद अभिभावक के तौर पर प्रबंधन को केंद्र में बच्चों को सुविधाएं देने का सुझाव दिया। परिणाम यह हुआ कि छह माह में ही केंद्र की तस्वीर बदल गई। आज शहर के और अभिभावक भी बच्चों को उस केंद्र में भेज रहे हैं।

अतिरिक्त उपायुक्त के सहयोग से केंद्र में कराई जा रही गतिविधियों में बढ़त हुई है। उनकी ढाई साल की दो जुड़वा बेटियां ऐवा, जीवा उनके केंद्र में छह माह से आधारभूत शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। केंद्र में बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाई करवाई जा रही है। हर नागरिक चाहे वह अधिकारी हो, कर्मचारी हो या आम जन, सभी को चाहिए कि वह सरकारी योजनाओं का अर्थ जाने। निजी संस्थानों को प्राथमिकता देने से पहले सरकारी का महत्व समझें। ये सभी संस्थान सरकार के नहीं, बल्कि जनता की ही संपत्ति हैं।

जिस दिन से चला हूं मेरी मंज़िल पे नज़र है ,आंखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा-विजय सांपला

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

मुझे यकीन है कि अब तक हर कोई जानता होगा कि आज मैने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है।आज आयोग में मेरा आखिरी दिन था, संवैधानिक पद की एक गरिमा एवं आचार संहिता होती है इसलिए संवैधानिक पद पर होने के कारण मैं कई निजी कार्य नहीं कर पा रहा था। हालाँकि यह आपको अटपटा लग सकता है, लेकिन वास्तव में मेरे लिए आयोग छोड़ना और किसी निजी कार्य के अवसर का लाभ उठाना एक कठिन निर्णय था। मैं इसके सभी फायदों और नुकसानों के बारे में सावधानीपूर्वक सोचने और योजना बनाने के बाद इस निर्णय पर पहुंचा हूं।

मैं आयोग के माननीय सदस्यों एवं पूरी टीम को मेरे लक्ष्यों को पार करने में मेरा सहयोग करने पर धन्यवाद देना चाहता हूं! आप सबके प्रयास से आयोग कम समय में कई ठोस परिणाम दे पाया है!

मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी,माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी एवं संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। आप सब ने मेरे जैसे छोटे कार्यकर्त्ता को दो बार आयोग के चेयरमैन का दायित्व दिया। भविष्य में भी जो जिम्मेदारी पार्टी सौंपेगी उसको भी पूरी ईमानदारी से निभाने का प्रयास करूंगा।

आप सभी का भी स्नेह एवं आशीर्वाद के लिए हृदय से आभार।भविष्य की आगामी योजनाओं के लिए भी आप सभी का यही सहयोग,स्नेह एवम आशीर्वाद अपेक्षित है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित 'ड्रग तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

सम्मेलन के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री की उपस्थिति में वर्चुअल रूप से Narcotics Control Bureau (NCB) द्वारा सभी राज्यों के Anti-Narcotics Task Force (ANTF) के साथ समन्वय से देश के विभिन्न हिस्सों में 2,381 करोड़ रूपए मूल्य के 1 लाख 40 हज़ार किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों को नष्ट किया गया, जो एक दिन में सर्वाधिक ड्रग नष्ट करने का रिकॉर्ड है।

सम्मेलन में पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री, पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक, केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और दिल्ली के उपराज्यपाल भी शामिल हुए। ओडिशा के गृह राज्य मंत्री ने सम्मेलन में भाग लिया। केन्द्रीय गृह सचिव, NCB के महानिदेशक और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों व भारत सरकार के संबद्ध मंत्रालयों और विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मेलन में उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि भारत जैसे देश में मादक पदार्थों की तस्करी और उपयोग से ना सिर्फ आने वाली नस्लें बरबाद होती हैं, बल्कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का गृह मंत्रालय क्षेत्रीय सम्मेलनों की बैठकों के माध्यम से निरंतर अभियान चला रहा है और उनकी समीक्षा करने और फीडबैक के आधार पर हमारी नीतियों में समयानुकूल परिवर्तन करने के लिए ये बैठक हो रही है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने आज़ादी के अमृत महोत्सव के दौरान देश के सामने लक्ष्य रखा है कि जब देश की आज़ादी की शताब्दी मनाई जाए तब तक भारत और इसके युवा नशामुक्त हो जाएं। उन्होंने कहा कि देश के एक भी युवा में नशे की आदत ना हो, ऐसे भारत का सृजन करना मोदी सरकार का लक्ष्य है और इसकी प्राप्ति के लिए राज्यों और केन्द्र दोनों को मिलकर काम करना ज़रूरी है। शाह ने कहा कि आज परमवीर चक्र से सम्मानित निर्मलजीत सिंह सेखों की जयंती है और इस अवसर पर उन्होंने पूरे देश और भारत सरकार की ओर से परमवीर चक्र विजेता निर्मलजीत सिंह सेखों जी को श्रद्धांजलि दी।

अमित शाह ने कहा कि आज NCB के अमृतसर ज़ोनल कार्यालय के लिए 12 करोड़ रूपए की लागत से एक नए भवन का निर्माण, भुवनेश्वर कार्यालय का उद्घाटन और दिल्ली में एक नए कार्यालय का भूमिपूजन भी हुआ है। उन्होंने एनसीबी कार्यालयों के लिए भूमि देकर एनसीबी और भारत सरकार का सहयोग करने के लिए ओडिशा सरकार और पंजाब सरकार को धन्यवाद दिया। शाह ने कहा कि एनसीबी इन कार्यालयों के माध्यम से इन दोनों राज्यों में नशे के खिलाफ लड़ाई को और मज़बूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि आज यहां नशामुक्त भारत पर एक सार संग्रह का विमोचन भी किया गया है। ड्रग्स के खिलाफ इस लड़ाई में हम जितनी जानकारी जिला तंत्र, NGOs और स्कूलों तक पहुंचाएंगे, यह लड़ाई उतनी मजबूत होगी। शाह ने कहा कि ये सिर्फ नशे पर नकेल कसने या संपूर्ण विजय प्राप्त करने की लड़ाई नहीं है, बल्कि इस लड़ाई में सबसे बड़ी विजय प्राप्त करने का रास्ता जागरूकता पैदा करना है। शाह ने कहा कि जब तक हम देश के युवाओं और अभिभावकों के मन में नशे के खिलाफ जागरूकता पैदा नहीं करते, तब तक ये लड़ाई हम नहीं जीत सकते।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज कुल 1,40,288 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों का विनष्टीकरण किया गया है और इसके लिए सभी राज्य, विशेषकर एनसीबी, बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत 2,378 करोड़ रूपए के मादक पदार्थों को आज नष्ट किया गया है, जो दिन में सर्वाधिक ड्रग नष्ट करने का रिकॉर्ड है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज़ादी के अमृत महोत्सव के पिछले एक साल में 10 लाख किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट किया गया है, जिसका मूल्य लगभग 12,000 करोड़ रूपए है और ये भी एक रिकॉर्ड है।

अमित शाह ने कहा कि नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की संपूर्ण रोकथाम के लिए हमें ड्रग के Detection, नेटवर्क के Destruction, कल्प्रिट के Detention और एडिक्ट्स के Rehabilitation पर एकसमान ध्यान देते हुए आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि डिटेक्शन, डिस्ट्रक्शन और डिटेंशन के क्षेत्रों में हमने बहुत अच्छा काम किया है।

क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट की चुनौतियों को सही ढंग से समझें

क्रिप्टोकरेंसी आधारित अर्थव्यवस्था का स्वरूप सही मायनों में वैश्विक है, और यह जरूरी नहीं है कि जिस भी देश में इसका लेन-देन होता है, वहां इसका संचालन या नियंत्रण बेहतरीन ढंग से हो। वैसे तो मुद्रा लिस्टिंग और ट्रेडिंग एक्सचेंज पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बढ़ाने और इसका आपराधिक इस्तेमाल होने से बचाने के लिए अपने-अपने नियंत्रण को सख्त कर रहे हैं, लेकिन संबंधित चेन में शामिल क्रिप्टो टोकन और अंतर्निहित विभिन्न लेन-देन का दुरुपयोग किए जाने की अभी भी व्यापक गुंजाइश है। कुछ टोकन ऐसे होते हैं जिनमें गोपनीयता और गुमनामी काफी अधिक होती है।

यही कारण है कि ये टोकन स्वाभाविक रूप से अपराधियों को काफी लुभाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 20% खतरनाक आपराधिक हमले अब क्रिप्टोकरेंसी की फंडिंग से जुड़े होते हैं। आम इंटरनेट उपयोगकर्ताओं से संवेदनशील संवाद को छिपाने के लिए एक सीक्रेट नेटवर्क बनाने के प्रयास के रूप में जो कुछ भी शुरू हुआ था उसने अब एक पूर्ण डार्कनेट का रूप ले लिया है। यह दरअसल अंतर्निहित प्रौद्योगिकियां उन सीक्रेट नेटवर्कों को दे देता है, जहां मानक ब्राउजरों के माध्यम से नहीं पहुंचा जा सकता है और इनका सूचीकरण सर्च इंजनों द्वारा नहीं किया जाता है। इसके तहत विभिन्न तरह के फोरम, चैट रूम, फाइलों और पिक्चर होस्ट के माध्यम से संवाद कराया जाता है। इतना ही नहीं, इसने वाणिज्यिक सुविधाएं भी विकसित कीं जिससे अवैध लेन-देन के लिए विभिन्न बाजार उभर कर सामने आ गए। क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट के बीच सांठगांठ होने के परिणामस्वरूप यह संदिग्ध लेन-देन एक नए स्तर पर पहुंच जाता है। बड़े पैमाने पर क्रिप्टोकरेंसी की चोरी करने या क्रिप्टोकरेंसी द्वारा वित्त पोषित अन्य कार्यों को अंजाम देने के प्रयासों के तहत साइबर अपराधी बड़ी तेजी से डार्क वेब की ओर रुख कर रहे हैं। इस तरह के माहौल में आपराधिक जांच करना बेहद कठिन हो गया है। जो डार्कनेट होता है वहां वेबहोस्टिंग प्रदाताओं से संपर्क करने, क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय प्राधिकरणों के माध्यम से काम करने, अदालती आदेशों की तामील करने एवं इनका अनुपालन सुनिश्चित करने, और संबंधित चीजों को हटाने के आदेश जैसे मानक कार्य नहीं हो पाएंगे। यूएनओडीसी की डार्कनेट खतरा आकलन रिपोर्ट 2020 के अनुसार, अवैध डार्कनेट बाजार में साइबरस्पेस और क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग किया जाना दरअसल कानून पर अमल करने के मार्ग में एक बड़ी चुनौती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, टोर नेटवर्क में बाजारों की संख्या वर्ष 2011 के महज 1 से बढ़कर वर्ष 2019 में 118 हो गई। संबंधित उत्पादों की संख्या और विविधता भी बेहद ज्यादा बढ़ गई। उदाहरण के लिए, वल्हल्ला, जो कि एक डार्कवेब बाजार है, वर्ष 2015 के 5,000 से बढ़कर वर्ष 2018 में 13,000 हो गया।

नशीली दवाओं (कोकीन, हेरोइन, एवं दर्द निवारक सहित), आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद, हैकिंग उपकरणों एवं सेवाओं, और कई अन्य वस्तुओं की बिक्री वहां होती है। कुछ ऑनलाइन बाजारों में तो यहां तक कि क्रेडिट कार्ड संबंधी जानकारियां और नकली दस्तावेज भी बेचे जाते हैं। इसके लिए पसंदीदा भुगतान विकल्प कोई और नहीं, बल्कि क्रिप्टोकरेंसी ही है। वैसे तो बिटकॉइन ही अभी भी इसके लिए प्रमुख मुद्रा है, लेकिन कहीं अधिक गोपनीयता और गुमनामी सुनिश्चित करने वाले टोकन का चलन काफी तेजी से बढ़ता जा रहा है। कोविड का प्रकोप बढ़ने के बाद टोर के उपयोगकर्ताओं की संख्या काफी तेजी से बढ़ गई थी। प्रमुख डार्कनेट में अक्सर डेटा को कई भागों में विभाजित करने, उसे एन्क्रिप्ट करने और फिर समकक्ष नोड्स के बीच उसे वितरित करने की विकेंद्रीकृत वितरित विधि का उपयोग किया जाता है। केवल इच्छित उपयोगकर्ता ही उनके साथ साझा की गई विभिन्न सीक्रेट की के माध्यम से इस तक पहुंच पाते हैं। उनमें से जो भी अगुवाई करता है वह एकतरफा टनल पर निर्भर करता है, जो कि या

जालंधर ब्रीज

विनायक गोडसे
(सीईओ, भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद्)

तो किसी गंतव्य पर ट्रैफिक भेजने के लिए बाहर की ओर अग्रसर हो सकती हैं या ट्रैफिक स्वीकार करने के लिए अंदर की ओर अग्रसर हो सकती हैं। वहीं, दूसरी ओर टोर ब्राउजर दरअसल टोर सर्किट नामक नेटवर्कों पर चलता है ताकि वेबसाइटों को ब्राउज करते समय उपयोगकर्ताओं को गुमनाम रखा जा सके। यह वितरित नेटवर्क रिले के माध्यम से उपयोगकर्ता ट्रैफिक को भेजता है जिसका प्रबंधन स्वयंसेवकों द्वारा किया जाता है, जो कि टोर नेटवर्क के रूप में भी जाने जाते हैं। डिस्क फोरेंसिक, मेमोरी फोरेंसिक, और नेटवर्क फोरेंसिक को जब डार्कवेब की मॉनिटरिंग के साथ जोड़ा जाता है, तो वे कलाकृतियों के निष्कर्षण, एम्बेडेड एंटी-फोरेंसिक तत्वों का पता लगाने, टोर ब्राउजर के पथ को जानने, संबंधित ट्रैफिक में अवरोध उत्पन्न करने, फाइल सिस्टम की मैपिंग करने और समयावधि का विश्लेषण करने में काफी मददगार साबित हो सकते हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियां इन चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर रही हैं। क्रिप्टो टोकन से जुड़ी आपराधिक जांच और संबंधित संचालन कार्य धीरे-धीरे बेहतर हो रहे हैं। निजी क्षेत्र के साथ सहयोग देश की सीमाओं के भीतर और उसके पार काफी अधिक देखा जाता है। क्रिप्टोकरेंसी बाजार के हितधारकों, विशेषकर क्रिप्टो एक्सचेंजों ने गैरकानूनी इस्तेमाल पर लगाम लगाने के लिए शिकंजा कसना शुरू कर दिया। जिम्मेदार क्रिप्टो एक्सचेंज कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए प्रतीत होते हैं। ब्लॉकचेन के विश्लेषण और क्रिप्टो जांच के अनेक तरीके उभर रहे हैं। इस प्रयास में सहायता के लिए अब विशिष्ट उपकरण, क्षमताएं, और सेवाएं तैयार की गई हैं।

दुनिया भर की कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों से कुछ सफलता मिली। वे कुछ मामलों में कुछ लोगों या बाजारों की पहचान करने में सक्षम साबित हुई थीं। ठोस कार्रवाई के लिए खुफिया जानकारी जुटाने और समन्वित कार्यों का समय पर निष्पादन करने के लिए उच्च स्तर पर सहयोग की आवश्यकता होती है। भौगोलिक सीमाओं से बाधाएं उत्पन्न होती हैं, क्षेत्राधिकार संबंधी चिंताएं बाधाओं का कारण बनती हैं, खुफिया जानकारियों के आदान-प्रदान के लिए अनुकूल नियम न होने से संबंधित जांच पटरी से उतर सकती है, और कानूनी प्रावधान न होने से आपराधिक अवसंरचना को जब्त करना मुश्किल हो सकता है। सुसंगत, मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा की कमी अभी भी एक चुनौती है, जो कानून प्रवर्तन एजेंसियों की खतरा-पहचान क्षमता, प्राथमिकता निर्धारित करने और संसाधन जुटाने को काफी सीमित कर रही है। हालांकि, ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस "ओएसआईएनटी" तरीकों को देखते हुए संबंधित सूचनाएं साझा करने, डेटा विश्लेषण, विशेष उपकरणों का उद्भव करने, और विशेष कौशल का उपयोग करने को अक्सर क्रिप्टो और डार्क वेब से जुड़े अपराधों की जांच के लिए निर्दिष्ट किया जाता है।

कानून प्रवर्तन अधिकारियों को अपनी क्षमताओं में वृद्धि करनी चाहिए, विभिन्न युक्तियां सीखनी चाहिए, विभिन्न उपकरणों एवं तरीकों के बारे में स्वयं सचेत रहना चाहिए, और निजी क्षेत्र में उपलब्ध कौशल के साथ सहयोग करना चाहिए। उन्हें संबंधित जानकारियों को आपस में जोड़ने, डार्कनेट पर हो रही विभिन्न गतिविधियों का खुलासा करने, और इस नेटवर्क के खिलाफ अभियानों में सक्रिय रूप से शामिल होने के तरीके तलाशने चाहिए। डार्कनेट नेटवर्कों, सेवाओं, क्रिप्टोकरेंसी जांच, और सूचना एकत्र करने की विशेष राजनीतिक, नीतिगत और परिचालन समझ ही इसमें सफलता की कुंजी होगी, जैसा कि यूएनओडीसी ने सलाह दी है। एनएफटी, एआई, और मेटावर्स के मौजूदा दौर में 13 और 14 जुलाई को एनसीआर में अपराध और सुरक्षा पर होने वाले जी20 सम्मेलन में इस बात पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा कि एक समाज के रूप में हम क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट के वर्तमान जमाने में कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने में व्यापक प्रगति आखिरकार कैसे हासिल करते हैं।

खुलकर कब्जे कर लो...कोई कुछ नहीं कहेगा...

नेशनल हाईवे 703A पर कैसे लगता है संडे बाजार

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिर्पोट

नेशनल हाईवे विभाग इस समय देश का सबसे चर्चित विभाग है। जिसकी चर्चा करते हुए हर भारतीय केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की तारीफ करते नहीं थकता।

परंतु हर विभाग की तरह इस विभाग में भी कुछ भ्रष्ट अधिकारी अपने काम को ज़िम्मेवारी से नहीं निभा रहे। जिसका एक जीता-जागता उदहारण नेशनल हाईवे 703ए पर लग रहे संडे बाजार है।

इसका मुख्य रूप से जिम्मेवार नेशनल हाईवे विभाग इसलिए है क्योंकि जालंधर ब्रिज की खबर का कड़ा संज्ञान लेते हुए डिप्टी कमिश्नर ने पीडब्ल्यूडी विभाग की सेंट्रल वर्क्स डिवीजन को खत जारी करके नेशनल हाईवे 703ए में त्रुटियों के बारे में अवगत कराया और उसको तुरंत दूर करने के लिए लिखा।

बता दें कि भ्रष्ट अफसर ऐसे पत्रों को क्या समझते हैं और इस पत्र का जवाब यह देकर जान छुड़वा ली की कपूरथला चौक से कनाल तक का हाईवे नगर निगम जालंधर के अधीन है इसलिए कब्जे और संडे बाजार को हटवाने का काम नगर निगम देखेगा। इसके लिए नगर निगम को पत्र लिखा जाए। इस जवाब से भ्रष्ट अफसरों की मानसिकता का पता लगता है कि इनके विभाग का मंत्री दिन-रात यह प्रयास करने में लगा हुआ है कि ज़्यादा सफर को कम समय में कैसे तय किया जाए।

वहीं कुछ भ्रष्ट अधिकारी नगर निगम को सख्त ताड़ना करने की बजाए इन कब्जों को यहां से हटवाएं और संडे बाजार ना लगने के लिए लिखे, वो महज इसमें ज्यादा मेहनत कर रहे कि जो मंड गांव के पास बन रहे टोल जोकि जम्मू-कटरा एक्सप्रेस से जोड़ेगा। वहां तक जाने के लिए लोगों को कैसे रोका जा सके इसके लिए प्रयासरत हैं।

यही नहीं भ्रष्ट अधिकारी अपने मंत्री के जीरो एक्सीडेंट मिशन को भी ठेंगा दिखाते हैं। क्योंकि इसी हाईवे पर बावा खेल नहर पार करने के बाद सड़क को सिंगल लेन ही छोड़ दिया गया। क्योंकि नेताजी की वोट ना खराब हो जाए और कहीं वो इस बात पर भ्रष्ट अधिकारियों से नेताजी नाराज ना हो जाएं। देश पीछे चले भी जाए तो हमे क्या हमने तो पंजाब में युवा पीढ़ी को रहने ही नहीं देना।

नेशनल हाईवे विभाग

भीड़भाड़ को देखकर यह लाइनें याद आने लगती है...
ये...राह नहीं आसां...इतना तो समझ लीजिए...
एक आग का दरिया है, उसे लांघ के जाना है।

कोहली कई खिलाड़ियों के लिए वास्तविक प्रेरणास्रोत : राहुल द्रविड़

फोटो- बीसीसीआई

विराट ने अब तक 110 टेस्ट, 274 वनडे और 115 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले

पोर्ट ऑफ स्पेन. भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपना 500वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए तैयार विराट कोहली को अपनी अपार उपलब्धियों और कार्य नीति के कारण कई क्रिकेटरों के लिए प्रेरणास्रोत करार दिया। कोहली वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में उतर कर भारत की तरफ से 500 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और महेंद्र सिंह धोनी ने यह उपलब्धि हासिल की है। द्रविड़ ने कहा, 'उनके (कोहली) आंकड़े स्वयं ही सारी कहानी बयां करते हैं। वह सब रिकॉर्ड बुक में दर्ज हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह अपनी टीम के कई खिलाड़ियों तथा भारत के कई लोगों, लड़कों और लड़कियों के लिए वास्तविक प्रेरणास्रोत हैं।'

उन्होंने कहा, 'विराट की इस यात्रा को देखना अच्छा लगता है। जब मैं उसके साथ पहली बार खेला तो वह काफी युवा था। उसने जो कुछ हासिल किया और जो उपलब्धियां हासिल कर रहा है, उसे मैंने बहुत प्रेरणा के साथ देखा।' द्रविड़ ने कहा कि कोहली का लंबा करियर और तीनों प्रारूप में उपलब्धियां पर्दे के पीछे के बलिदान और कड़ी मेहनत का परिणाम हैं। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं जानता था कि यह उनका 500वां अंतरराष्ट्रीय मैच है। मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि मैं उनके पर्दे के पीछे के प्रयासों और कड़ी मेहनत को देखता हूं जिसे कोई नहीं देख रहा होता है। एक कोच के लिए यह अच्छी बात है क्योंकि कई युवा खिलाड़ी उसे देखते हैं और प्रेरणा लेते हैं।'

द्रविड़ ने कहा, 'यहां पर्दे के पीछे की गई कड़ी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने अपने करियर में कई बलिदान दिए और वह ऐसा करना जारी रखना चाहते हैं। करियर लंबा खींचने के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और सामंजस्य बिठाने की क्षमता जरूरी होती है और उन्होंने ऐसा करके दिखाया है।' श्रीलंका के खिलाफ अगस्त 2008 में दांबुला में धोनी की अगुवाई में वनडे में पदार्पण करने के बाद 34 वर्षीय कोहली ने लंबा रास्ता तय किया है। उन्होंने अब तक 110 टेस्ट, 274 वनडे और 115 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले हैं।

जिला रोजगार ब्यूरो और मॉडल करियर सेंटर होशियारपुर द्वारा दसूहा में करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

जिला रोजगार ब्यूरो और मॉडल करियर सेंटर होशियारपुर ने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल दसूहा और सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल (लड़कियां) दसूहा में 10वीं और 12वीं कक्षा के बच्चों के लिए करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम के दौरान दोनों संबंधित स्कूलों के पूरे स्टाफ और लगभग 225 छात्रों ने बहुत उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए यंग प्रोफेशनल विक्रम सिंह ने विद्यार्थियों को रोजगार ब्यूरो के महत्व के बारे में बताया और रोजगार ब्यूरो के माध्यम से दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों के भविष्य के करियर के लिए ब्यूरो द्वारा आयोजित काउंसलिंग के बारे में जानकारी दी और पढ़ाई की विभिन्न विधाओं, आईटीआई पाठ्यक्रम, डिप्लोमा और डिग्री पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने प्लेसमेंट सेल द्वारा संचालित रोजगार पहल, रोजगार ब्यूरो द्वारा प्रदान की जाने वाली मुफ्त इंटरनेट सुविधा, स्वरोजगार योजनाओं और अल्पकालिक तकनीकी पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। छात्रों को पंजाब सरकार की विभिन्न नौकरियों और बैंकिंग क्षेत्र में नौकरियों के अलावा, नेशनल करियर सर्विसेज पोर्टल पर सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

फगवाड़ा के व्यापारिक क्षेत्रों में सीएलयू के लिए जालंधर क्षेत्र के रेट लागू होंगें

• **जालंधर ब्रीज.** फगवाड़ा

नगर निगम कमिश्नर फगवाड़ा डॉ. नयन जस्सल ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा नगर सुधार ट्रस्ट फगवाड़ा की विकास योजना नंबर 1, हरगोबिंद नगर फगवाड़ा की 2 (सड़कें प्लॉट नंबर 718 से 746 (सिंगल साइड) और प्लॉट नंबर 746 से 485 (डबल साइड)) को स्थानीय सरकार विभाग के नोटिफिकेश पत्र नः. सी.टी.पी.एल-2023/969 दिनांक 06/04/2023 द्वारा व्यवसायी घोषित किया गया है।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा नगर निगम फगवाड़ा की 4 सड़कें (विकास योजना नंबर 3, पलाही रोड, फगवाड़ा, टीपी स्कीम नंबर 5 भाग 1 नकोदर रोड) को सरकार द्वारा वर्ष 2018 में पहले ही कारोबारी घोषित किया जा चुका है। इन सड़कों पर निर्मित संपत्तियों के मूल्य परिवर्तन की दरों के संबंध में सरकाप द्वारा दिनांक 19/07/2023 को निर्देश जारी किये गये हैं।

परिवर्तन के संबंध में सरकार के पत्र नः. 9/87/06-5सस1/6761-63 दिनांक 22/08/2006 और पत्र नः एसीएम/एमटीपी/11789 दिनांक 15/07/2020 के माध्यम से जारी निर्देशों के अनुसार, दरें केवल जालंधर क्षेत्र के लिए लागू होंगी।

इसलिए, इन सड़कों पर संपत्ति के मालिक अपनी संपत्ति का भूमि उद्देश्य (आवासीय से कारोबारी) करवा सकते हैं और जिन्होंने अपनी संपत्तियों पर अवैध रूप से कारोबारी संरचनाओं का निर्माण किया है, वे भी अपनी संपत्ति बदल सकते हैं। कमिश्नर ने कहा कि जिन लोगों को सरकार की ओर से सीएलयू से सबंधित जारी किये उपरोक्त पत्रों के अनुसार ही पढ़ा जाएगा।

यदि किसी निर्मित संरचना का मालिक/निर्माता द्वारा इमारत का भूमि-उद्देश्य तबदीली करवाने के लिए 15 दिनों के भीतर आवेदन नहीं करता है, तो उक्त इमारत के विरुद्ध नगर निगम अधिनियम, 1976 की धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू की जाएगी। जिन खर्चों की ज़िम्मेदारी संबंधित मालिक/बिल्डर की होगी।

इसके अतिरिक्त यदि कोई अन्य जानकारी आवश्यक हो तो दफ़्तरी काम काज वाले दिन में दफतरी समय में प्राप्त की जा सकता है।

भाजपा का केंद्रीय मंत्री, आप का सांसद, कांग्रेस का विधायक परंतु सड़क फिर भी खूनी

लोक निर्माण विभाग व पुडा विभाग

ए भाई जरा देख के चलो...आगे भी नहीं पीछे भी...दाएं भी नहीं बाएं भी...

हादसे को न्यौता देता...खड्डा...
रात के समय में किसी भी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता

सड़क में खड्डा नहीं बल्कि खड्डे में ही सड़क है...

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिर्पोट

पंजाब में पिछले डेढ़ साल से आम आदमी पार्टी की सरकार सत्ता पर काबिज़ है और लोगों ने खुले दिल से वोट डालकर 92 विधायकों को विधान सभा की सीढियां चढ़ने का मौका दिया। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भगवंत मान जो किसी समय लोगों को हंसाने का काम करते थे। उनको पंजाब का मुख्यमंत्री बना दिया और पहले दिन से ही मुख्यमंत्री ने भी मोर्चा संभाला हुआ है। सीएम ने लोगों के मौजूदा और भविष्य के हालातों को सुधारने के लिए कई साहसिक कदम उठाए जिससे जमीनी स्तर पर लोग खुश भी दिखे। इसके परिणाम स्वरुप लोगों ने जालंधर में हुआ लोकसभा का उप चुनाव आदमी पार्टी को जितवाया और सांसद के रूप में सुशील रिंकू को डेमोक्रेसी के मंदिर लोकसभा में भेजने का काम किया। जनता को धन्यवाद करने के लिए प्रोग्राम होटल क्लब कबाना में रखा गया।

मुख्यमंत्री ने वहां से जालंधर को 100 करोड़ रुपया डिवेलपमेंट के कामों के लिए तोहफा दिया और साथ ही कहा कि जालंधर के पास तीन और सांसद भी हैं जिनका 15 करोड़ रुपया और जोड़ लो वो भी आप ही का हैं।

परंतु उसी होटल से कुछ ही दूरी पर इनके एक राज्य सभा सांसद अशोक मित्तल की यूनिवर्सिटी है जिसके लॉ गेट को जाती सड़क जोकि चहेरू गांव का हिस्सा उसकी हालत इतनी दहनीय है कि वो खूनी सड़क का रूप ले चुकी है और आए दिन यहां कोई ना कोई हादसा होता रहता है।

बता दें कि सांसद महोदय अपने काम-धंधे में इतने व्यस्त हैं कि उनको इससे क्या लेना-देना। इससे भी बड़ी बात है कि यह गांव जिस लोकसभा संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है वो सांसद भी सत्ता पर केंद्र में काबिज़ है और केंद्र में मंत्री भी हैं परंतु दोनों ही सांसदों की नाकामी से गांव के लोग, यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्र 21वीं सदी में अभी भी पंजाब को टूटी सड़कों वाले पंजाब के रूप में देख रहे है। ऐसे में पंजाब तो अब भगवान भरोसे ही है और इसके लिए सीधे जिमेवार पीडब्ल्यूडी के अधिकारी जिन्होंने इतने सालों से इस सड़क को नहीं बनवाया और अब इसको पुडा को ट्रांसफर कर अपना पल्ला झाड़ लिया है।

अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री इन निकम्मे अफसरों और सांसद महोदय को उनकी ज़िम्मेवारी से अवगत करवाते हैं कि नहीं। उनको यह ताकत लोगों की मुश्किलों को दूर करने के लिए दी गई ना की अपने खुद के निजी हितों के लिए।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.